परमात्मा की शक्ति हमारी विरासत–दादी हृदयमोहिनी

ईश्वरानुजूति के समंदर में डूबा सारा शहर

लज़नऊ, 4 अक्टूबर। आध्यात्मिकता से ओत–प्रोत, दिव्य दृष्टि प्राप्त प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय की अतिरिक्त मुज़्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी हृदयमोहिनी जी के दर्शन के लिए जनसैलाब उमड़ पड़ा। प्रकृति के व्यवधान के बावजूद भी लोगों का उत्साह कम नहीं हुआ। उनके एक दर्शन के लिए लोगों की लज़्बी कतारे लगी रही। उनकी एक नजरों ने उपस्थित लोगों को तृप्त कर दिया।

परमात्म शक्तियों एवं वरदानों की प्राप्ति वैश्विक उत्सव में उपस्थित लोगों को ईश्वरीय शक्ति की अनुभूति कराने तथा वरदानों की झोली भरने के उददेश्य से आयी दादी ने कहा कि परमात्मा की शक्तियां हमारी विरासत है। जब हम उससे विमुख होते है तब हमें उससे वंचित होना पड्ता है। यदि प्रत्येक परिस्थितियों में हम सामंजस्य बनाये रखे तथा परमात्मा से कनेक्शन लगाये रखने से सज़ी बुराईयों से मुक्त हो सकते हैं। उन्होंने आज के कार्यक्रम का उदाहरण देते हुए कहा कि परमात्ज़ा के कार्य में विघ्न तो आता है परन्तु विजय परमात्मा के साथ रहने वालों की ही होती है। राजयोग की विधि मनुष्य सदैव परमात्मा के नजदीक ले जाती है। परमात्ज़ा के प्यार में लवलीन रहने से तुफान तोहफा बन जाते हैं। उन्होंने 55 वर्ष पूर्व अपने यात्रा का स्मरण सुनाया।

इस अवसर पर उपस्थित ब्रह्माकुमारीज उत्तर प्रदेश सेवाकेन्द्रों की जोनल इंचार्ज राजयोगिनी मोहिनी ने कहा कि आज जो भी समाज में अत्याचार, भ्रष्ट्राचार, तनाव, विखराव बढ़ रहा है। उसका मूल कारण हमारी अपनी स्थिति है। जब हम अपने को आंतरिक रूप से कमजोर कर लेते है तो हम परिस्थितियों के दास हो जाते हैं। इस अवसर पर मुज़्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष सुखदेव राजभर तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में इलाहाबाद उच्चन्यायालय के लखनऊ खण्डपीठ के न्यायमूर्ति एस एन शुक्ला, लखनऊ के महापौर दिनेश शर्मा, स्वास्थ्य मंत्री अवध पाल सिंह यादव ने भी अपनी–अपनी शुभकामनायें दी।

इससे पूर्व खराब मौसम के कारण ज़्लाईट निर्धारित समय से 20 मिनट देर से पहुंची ज़्लाईट के कारण लोग काफी देर तक इंतजार करते रहे। दर्शनाभिलाषियो की लज़्बी कतारे लगी रही। उनके स्वागत में लगभग सैकड़ों लोग एअरपोर्ट पर उपस्थित रही। शहर के गणमान्य व्यक्तियों सहित संस्था के पदाधिकारियों ने स्वागत किया। इसके बाद वे सीधे संस्था के गोमती नगर शाखा पर आयी और कुछ देर विश्राम करने के बाद वे कार्यक्रम स्थल पर पहुंची जहाँ स्कूली बच्चों ने परज़्परागत वेशभूषा में स्वागत किया। महत्वपूर्ण कार्यक्रम के तहत उपस्थित लोगों को दादी हृदयमोहिनी सहित 108 तपोनिष्ठ राजयोगिनी बहनों ने कुछ समय के लिए तनावमुक्त जीवन, आत्मानुभूति तथा परमात्ज़ानुजूति का अनुभव करायी।

कार्यक्रम का आगन्तुक मेहमानों द्वारा दीप जलाकर उद्घाटन किया गया। दीप प्रज्वलन के दौरान जब सभा में सभी ने मोमबत्तियां जलाया तो पूरा जहान रोशन हो गया। इस अवसर पर खुशी और सदभावना के लिए गुब्बारे उड़ाये गये तथा आतिशबाजी की गयी। इसके पश्चात सभी ने खड़ा होकर विश्व परिवर्तन के लिए संकल्प किया। जिसमें मंच पर उपस्थित अतिथियो ने स्व परिवर्तन से विश्व परिवर्तन का संकल्प करवाया।

सांस्कृति संध्या ने भक्तिमय किया वातावरण

लखनऊ। कार्यक्रम से पूर्व केवल एण्ड कुमार पार्टी ने जब शिव आपदा हरण गीत गाया तो पूरो माहौल आध्यात्ममय हो गया। इसके साथ ही ममता माडर्न स्कूल के बच्चों ने गूज रहा शिव का झंडा, राधेकृष्ण होली तथा लखनऊ के सुप्रसिद्ध कलाकारों ने कार्यक्रम प्रस्तुत कर लोगों की खूब तालियां बटोरी। वहीं कथक नृत्य में रूक्मिणी जायसवाल ने प्रस्तुत कर लोगों को भाव विभोर कर दिया।